पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राष्ट्रपति से मिले राज्यपाल राम नाईक

लखनऊ 16 मार्च, 2018

राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद से आज प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने भेंट की। राज्यपाल ने राष्ट्रपति को अपनी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के संस्कृत संस्करण के आगामी 26 मार्च को वाराणसी में होने वाले लोकार्पण समारोह का औपचारिक निमंत्रण दिया। राज्यपाल श्री राम नाईक की पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के संस्कृत संस्करण का लोकार्पण राष्ट्रपति श्री राम नाथ कोविंद एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा वाराणसी में 26 मार्च, 2018 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय हस्तशिल्प संकुल (टे्रड फॅसिलिटेशन सेंटर), वाराणसी में किया जायेगा। लोकार्पण समारोह में विशिष्ट अतिथि आचार्य स्वामी अवधेशानन्द गिरीजी अध्यक्ष समन्वय सेवा ट्रस्ट, हरिद्वार होंगे। राज्यपाल की पुस्तक का प्रकाशन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, नई दिल्ली द्वारा किया गया है। राज्यपाल ने व्यक्तिगत तौर पर भेंट करके केन्द्रीय मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर तथा डाॅ0 कर्ण सिंह राज्यसभा सांसद को भी लोकार्पण समारोह हेतु आमंत्रित किया है।

राज्यपाल के संस्मरणों पर आधारित मराठी भाषी पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का लोकार्पण 25 अप्रैल, 2016 को मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फडनवीस द्वारा किया गया था। तत्पश्चात् 9 नवम्बर, 2016 को पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू एवं गुजराती भाषा में लोकार्पण राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी की उपस्थिति में किया गया जिसमें मंच पर उपराष्ट्रपति श्री हामिद अंसारी, लोकसभा अध्यक्ष सुश्री सुमित्रा महाजन, केन्द्रीय मंत्री श्री वेंकैया नायडु, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं सांसद श्री शरद पवार वक्ता के रूप में विशेष रूप से उपस्थित थे। इसी क्रम में 11 नवम्बर, 2017 को राजभवन उत्तर प्रदेश में पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' के हिन्दी, अंग्रेजी एवं उर्दू प्रकाशन का लोकार्पण मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव, केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह व कांग्रेस के पूर्व मंत्री श्री अम्मार रिज़वी ने किया तथा 13 नवम्बर, 2016 को मुंबई में गुजराती भाषा में लोकार्पण केन्द्रीय मंत्री पुरषोत्तम रूपाला द्वारा किया गया।

पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' हिन्दी के साथ-साथ उर्दू में भी काफी लोकप्रिय रही। हिन्दी व उर्दू के अनेक विद्वानों ने राज्यपाल श्री राम नाईक को उनकी पुस्तक के संबंध में अपनी प्रतिक्रियाओं से लिखकर अवगत कराया है। पुस्तक 'चरैवेति! चरैवेति!!' का जर्मन, बांग्ला, अरबी, फारसी, तमिल तथा सिंधी भाषा में भी अनुवाद कराने के प्रस्ताव राज्यपाल को प्राप्त हुए हैं।

अंजुम/ललित/राजभवन (107/23)